



SHRI SHASHADHAR ACHARYA

Shri Shashadhar Acharya is a renowned Chhau dance performer.

2. Born on 5th May, 1960, in Seraikella in a family of traditional Chhau dance performers, Shri Acharya is the fifth generation performer of this art form in his family. He was initiated in Chhau dance of Seraikella by his father Guru Lingaraj Acharya and continued his training under eminent personalities in the field like Natasekhar Banabihari Pattnaik, Suddhendra Narayan Singh Deo, Vikram Kumbhakar, and Kedarnath Sahoo. He has also studied the Chhau dance of Mayurbhanj under Shri Alok Niranjan Bisoi and has had training in Dhol-playing under Shri Surumukhi.

3. Shri Acharya has received both Junior and Senior Fellowship from the Government of India for various significant research works such as the teaching methodologies in Seraikella Chhau dance; The Evolution and Usage of Mask, Rhythmic structure and Melodies in Seraikella Chhau Dance; and is also the recipient of a research grant from Sangeet Natak Akademi, New Delhi for working on the compositions of the Akhadas in Seraikella Chhau dance.

4. Shri Acharya has served as Director of the Government Chhau Dance Centre at Seraikella. He is a visiting Lecturer for theatre movements at the National School of Drama, Delhi; Madhya Pradesh Drama School, Bhopal; FTII, Pune; Bharatendu Natya Akademi, UP; and Shri Ram Centre for Performing Arts, Delhi since the past three decades. He presently teaches at Triveni Kala Sangam, New Delhi, and has trained numerous dancers as well as theatre workers who are working professionally in the art field. He heads a Project funded by Sangeet Natak Akademi, New Delhi to train dancers in creating a Performance Repertory; and runs a leading institution for the promotion of Seraikella Chhau dance Acharya Chhau Nrutya Bichitra in Seraikella, Jharkhand. He has represented India in more than 75 countries world-wide over the last four decades besides performing in many major national festivals.

5. Shri Acharya has numerous new choreographies and dance compositions to his credit including among presentations for the Republic Day Parade for the State of Jharkhand, Trimurti and Prithvi for Sangeet Natak Akademi and Maha Nayak Garuda for the Festival of India in Indonesia. He has been the subject of several national and international films and documentaries on Seraikella Chhau dance including documentaries produced by the Centre for Cultural Resources and Training and Ministry of Information and Broadcasting, Government of India.

6. Shri Acharya has received several awards and honours including the Sangeet Natak Akademi Award, 2004; Rajkiya Samman, 2005 by the Jharkhand Government; Guru Dev Prasad Das Samman by the Governor of Odisha, 2013; Gaurav Puraskar by the Sarfojiraje Bhosale Centre, Mumbai, 2014; Lifetime Achievement Award by the Government of Jharkhand, 2015; Guru Shri Hari Nayak Samman by Angika, Bhubaneswar, 2016; Natya Chetana Samman by Natya Chetana Khordha, Odisha, 2016; the Jharkhand State Samman, 2017; and the Utsav Samman, New Delhi, 2019.





श्री शशधर आचार्य

श्री शशधर आचार्य एक सुप्रसिद्ध छउ नर्तक हैं।

2. 5, मई, 1960 में सरायकेला के पारंपरिक छउ नर्तकों के परिवार में जन्मे, श्री आचार्य अपने परिवार में इस नृत्य शैली के कलाकारों की पांचवीं पीढ़ी से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता गुरु लिंगराज आचार्य ने उन्हें सरायकेला के छउ नृत्य की दीक्षा प्रदान की और उन्होंने नटशेखर बनबिहारी पटनायक, सुधेन्द्र नारायण सिंह देव, विक्रम कुम्भाकर और केदारनाथ साहू जैसी प्रसिद्ध हस्तियों से शिक्षा हासिल की। उन्होंने श्री आलोक निरंजन बिसोई से मयूर भंज का छउ नृत्य भी सीखा है और श्री सुरुमुखी से ढोल–वादन की शिक्षा ग्रहण की है।

3. श्री आचार्य को सरायकेला छउ नृत्य की शिक्षण पद्धतियाँ, मुखौटे का अभ्युदय और प्रयोग; सरायकेला छउ नृत्य की लयबद्धता और राग जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण अनुसंधान कार्यों के लिए भारत सरकार की ओर से कनिष्ठ और वरिष्ठ दोनों फेलोशिप प्राप्त हुई हैं; तथा उन्हें सरायकेला छउ नृत्य में अखाड़ों की रचना पर कार्य करने के लिए संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली से भी अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुआ है।

4. श्री आचार्य सरायकेला स्थित सरकारी छउ नृत्य केन्द्र के निदेशक भी रहे हैं। वे पिछले तीन दशकों से राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली; मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल; एफटीआईआई, पुणे; भारतेन्दु नाट्य अकादमी, उत्तर प्रदेश; और श्री राम सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, दिल्ली में रंगमंच हावभाव पर अतिथि व्याख्याता रहे हैं। श्री आचार्य इस समय त्रिवेणी कला संगम, नई दिल्ली में सिखाते हैं और उन्होंने कई नर्तकों और रंगमंच कलाकारों को प्रशिक्षण दिया है जो कला के क्षेत्र में व्यावसायिक रूप से काम कर रहे हैं। वह परफोरमिंग रेपेरेट्री के निर्माण के लिए नर्तकों को प्रशिक्षण देने हेतु संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा वित्त–पोषित एक परियोजना के प्रमुख हैं; और सरायकेला छउ नृत्य आचार्य छउ नृत्य बिचित्र को बढ़ावा देने के लिए सरायकेला, झारखंड में एक अग्रणी संस्थान चलाते हैं।

5. श्री आचार्य को, झारखंड राज्य के लिए गणतंत्र दिवस परेड, संगीत नाटक अकादमी के लिए त्रिमूर्ति और पृथ्वी तथा इंडोनेशिया में भारत महोत्सव के लिए महानायक गरूड़ के लिए प्रस्तुतियों सहित अनेक अभिनव नृत्य कलाओं और नाट्य रचनाओं का श्रेय जाता है। उन पर सरायकेला छउ नृत्य संबंधी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्में और डॉक्यूमेंट्री बनाई गई हैं जिनमें सेंटर फॉर क्लचर रिसोर्सिज एंड ट्रेनिंग तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्मित डॉक्यूमेंट्री शामिल हैं।

6. श्री आचार्य को, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, 2004; झारखंड सरकार द्वारा राजकीय सम्मान, 2005; ओडिशा सरकार द्वारा गुरु देव प्रसाद दास सम्मान, 2013; सरफोजीराजे भोंसले सेंटर, मुम्बई द्वारा गौरव पुरस्कार, 2014; झारखंड सरकार द्वारा लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार, 2015; अंगिका, भुवनेश्वर द्वारा गुरू श्री हरि नायक सम्मान, 2016; नाट्य चेतना खोरधा, ओडिशा द्वारा नाट्य चेतना सम्मान, 2016; झारखंड राज्य सम्मान, 2017; और उत्सव सम्मान, नई दिल्ली, 2019 सहित अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं।